रजनीकांत का राजनीति में आने का ऐलान, अपनी पार्टी का गठन करेंगे

चेन्नई-तमिल सुपरस्टार रजनीकांत ने असमंजस की स्थिति को समाप्त करते हुए राजनीति में आने का ऐलान करते हुए कहा कि वह खुद की पार्टी का गठन करेंगे जो राज्य में अगले विधानसभा चुनावों की सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। इस घोषणा से अभिनेता के राजनीतिक क्षेत्र में उतरने को लेकर दो दशकों की अटकलबाजी पर विराम लग गया है। प्रशंसकों की जोरदार तालियों के बीच 67 वर्षीय सुपरस्टार ने कहा, ''मैं निश्चित रूप से राजनीति में प्रवेश कर रहा हूं।''

राजनीति में ईमानदारी और सुशासन के विचार के साथ आये रजनीकांत ने कहा, ''सब कुछ बदलना होगा'' और ऐसी ''आध्यात्मिक राजनीति'' की शुरूआत किये जाने की जरूरत है जिसमें पारदर्शिता हो और किसी जाति या धर्म का कोई रंग नहीं हो। उन्होंने कहा, ''यहीं मेरा उद्देश्य और इच्छा है।'' उन्होंने राजनीति में उनके आने के कदम का समर्थन करने वाले लोगों से अपील की कि ऐसा अकेले करना संभव नहीं था। रजनीकांत ने कहा कि वह भाई भतीजावाद या मेज के नीचे से लेन-देन को सहन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे स्वयंसेवकों की जरूरत है जो निगरानी करेंगे और जो अपने स्वार्थों के लिए किसी अधिकारी, मंत्री या सांसद या विधायकों के पास नहीं जायेंगे।'' उन्होंने कहा कि इस तरह के 'स्वयंसेवकों' को उन लोगों से सवाल करने चाहिए जिन्होंने गलतियां की है।

उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी पार्टी के लिए केवल इस तरह के लोगों की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''मैं तो निगरानी करने वाले इस तरह के लोगों का केवल एक प्रतिनिधि हूं।'' अभिनेता ने कहा कि उनका पहला काम राज्यभर में प्रशंसकों के मौजूदा पंजीकृत और गैर पंजीकृत क्लबों को व्यवस्थित करना होगा। उन्होंने अपने प्रशंसकों से समाज के सभी वर्गों को क्लब में लाने की अपील की ताकि एक पार्टी बनाई जा सकें और ''तब तक ऐसी किसी राजनीतिक वार्ता में शामिल होने की जरूरत नहीं है।'' रजनीकांत ने कहा, ''राजनीति और लोकतंत्र बहुत खराब हो गये हैं।

तमिलनाडु में पिछले एक वर्ष में हुई कुछ राजनीतिक घटनाओं से हर तमिल शर्मिंदा हुआ और अन्य राज्यों के लोग ''हम पर हंस रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यदि अब मैं यह निर्णय नहीं लेता तो मुझे बेशुमार प्यार करने और जीवन देने वाले तमिल लोगों के लिए लोकतांत्रिक माध्यमों से कुछ नहीं कर पाने का मलाल मेरे मरने तक रहता।'' अभिनेता ने कहा कि वह जानते है कि पार्टी की शुरूआत करना, सत्ता हासिल करना और शासन चलाना कोई ''साधारण काम'' नहीं है। यह समुद्र में से मोती निकालने की तरह है। उन्होंने कहा, ''यह केवल ईश्वर के आशीर्वाद और लोगों के पूर्ण समर्थन से ही संभव हो सका है।''

उन्होंने विश्वास जताया कि वह दोनों चीजों को पा लेंगे। कर्तव्य करने और सबकुछ ईश्वर पर छोड़ देने संबंधी भगवद्गीता के एक श्लोक का हवाला देते हुए, सिने अभिनेता ने कहा, ''यह समय की आवश्यकता है।'' उन्होंने धर्मग्रंथ के हवाले से कहा, ''युद्ध लड़ों, यदि तुम जीत गये तो राष्ट्र में शासन करोगे, यदि मर गये तो स्वर्ग में जाओगे। यदि बिना युद्ध लड़े मरे तो तुम वे आपको कायर कहेंगे।'' अभिनेता ने कहा कि वह अपनी एक राजनीतिक पार्टी बनायेंगे जो तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। छह दिवसीय बैठक के समापन के मौके पर यहां अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए अभिनेता ने कहा कि समय कम होने के कारण स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पाना संभव नहीं है। वर्ष 1996 में अभिनेता ने जयललिता के खिलाफ विरोध की आवाज उठाई थी।

उन्होंने कहा कि पार्टी की शुरूआत विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उचित समय पर की जायेगी। रजनीकांत ने कहा कि पार्टी की नीतियों को आवाम तक ले जाया जायेगा और उनकी पार्टी का नारा सच्चाई, कड़ी मेहनत और विकास होगा। उन्होंने कहा, ''अच्छा करो, बोलो और केवल अच्छा होगा'' मार्गदर्शक नारा होगा। अपने प्रशंसकों की उनके ''अनुशासन'' के लिए तारीफ करते हुए अभिनेता ने कहा कि इनके साथ किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है रजनीकांत ने कहा कि पार्टी की नीतियों को आवाम तक ले जाया जायेगा और उनकी पार्टी का नारा सच्चाई, कड़ी मेहनत और विकास होगा। उन्होंने कहा, ''अच्छा करो, बोलो और केवल अच्छा होगा'' मार्गदर्शक नारा होगा।

पद्मवती फिल्म का नाम बदलेगा, घूमर गाना बदलेगा, भंसारी शर्तें मानने को तैयार

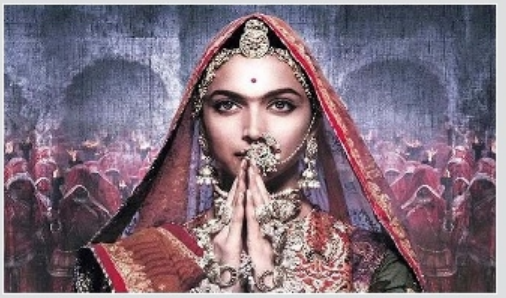

मुंबई-केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'पद्मावती' को 'यूए' सर्टिफिकेट देने का फैसला किया है और फिल्म के निर्देशक को इसका नाम बदलकर 'पद्मावत' करने का सुझाव दिया है। सीबीएफसी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार बोर्ड ने 28 दिसंबर को अपनी जांच समिति के साथ बैठक की थी और ''कुछ बदलावों के साथ फिल्म को यूए सर्टिफिकेट'' देने का फैसला किया तथा संबद्ध सामग्री/रचनात्मक स्रोत के आधार पर फिल्म का नाम बदलने का सुझाव दिया।

संसदीय पैनल के समक्ष भी पेश हो चुके भंसाली ने बताया कि ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से बनी उनकी फिल्म मलिक मोहम्मद जायसी रचित 16वीं सदी के ऐतिहासिक काव्य ''पद्मावत'' पर आधारित है। फिल्म में दीपिका पादुकोण, शाहिद कपूर और रणवीर सिंह ने अभिनय किया है। विज्ञप्ति के अनुसार बोर्ड ने आधिकारिक घोषणा में कुछ बदलाव करने का सुझाव देते हुए इसमें यह जोड़ने को कहा कि यह फिल्म ''जौहर प्रथा'' का महिमामंडन नहीं करती। साथ ही फिल्म के गीत ''घूमर'' में चरित्र के अनुकूल कुछ बदलाव करने का भी सुझाव दिया गया।

यह बैठक सीबीएफसी अध्यक्ष प्रसून जोशी की मौजूदगी में हुई और इसमें सेंसर बोर्ड के अधिकारियों सहित जांच समिति के नियमित सदस्यों ने भी हिस्सा लिया था। बयान के अनुसार फिल्मकारों एवं समाज दोनों के हितों को ध्यान में रखते हुए फिल्म को देखा गया। फिल्म को लेकर जटिलताओं एवं चिंताओं पर विचार करते हुए सीबीएफसी ने सेंसर बोर्ड का एक ''विशेष पैनल'' बनाया था, जिसे सेंसर बोर्ड की आधिकारिक समिति के अंतिम फैसले में अपना विचार जोड़ना था। विशेष पैनल में उदयपुर से अरविंद सिंह, डॉ. चंद्रमणि सिंह और जयपुर विश्वविद्यालय से प्रोफेसर केके सिंह शामिल थे।

बीमा क्षेत्र में नया साल और भी सार्वजनिक निर्गम, विलय-अधिग्रहण का हो सकता है गवाह

नई दिल्ली- समाप्त हो रहे वर्ष 2017 में पांच बीमा कंपनियों के सफल प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के बाद नए वर्ष में और अधिक बीमा कंपनियों के प्राथमिक पूंजी बाजार में दस्तक देने की उम्मीद है। इस वर्ष दो सरकारी बीमा कंपनियों समेत बीमा क्षेत्र में पांचों कंपनियों ने बाजार से करीब 45,000 करोड़ रुपये जुटाए। वर्ष 2018 में आईपीओ की बाढ़ के अलावा बीमा क्षेत्र में कंपनियों के विलय और अधिग्रहण भी देखने को मिल सकते हैं। इस साल एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरेंस का मैक्स लाइफ और मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ विलय का प्रस्ताव लटक गया जो नए साल में पूरा हो सकता है। बजाज अलायंज जरनल इश्योरेंस कंपनी के सीईओ तपन सिंघल ने पीटीआई भाषा से कहा कि हाल के समय में बीमा क्षेत्र में कुछ एकीकरण शुरू हुआ है। इसके आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि बीमा उद्योग में जो तेजी दिखाई दे रही है और इसके आने वाले सालों में बने रहने का अनुमान है। यह एकीकरण के लिए अधिक अवसर प्रदान करता है क्योंकि कुछ प्रवर्तक गैर-प्रमुख व्यवसाय से किनारा कर सकते हैं और प्रतिष्ठित बड़ी बीमा कंपनियां बाजार में पांव पसारना चाहती हैं। पूंजी जुटाने के लिहाज से, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड पहली कंपनी रही, जिसने आईपीओ के माध्यम से इस साल 5,700 करोड़ रुपये जुटाए। बीमा कंपनी जीआईसी री ने सबसे ज्यादा 11,176 करोड़ रुपये , न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी ने 9,467 करोड़ रुपये, एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरेंस 8,695 करोड़ रुपये, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने 8,386 करोड़ की पूंजी जुटाई। अन्य सरकारी बीमा कंपनियों में नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी- भी पूंजी बाजार में उतरने की तैयारी में हैं। अपोलो म्यूनिच हेल्थ इंश्योरेंस के सीईओ एंटोनी जैकब ने कहा कि बीमा क्षेत्र बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है, खासकर स्वास्थ्य बीमा खंड। उन्होंने कहा कि तकनीकी आधारित विचारों ने इस व्यवसाय का स्वरूप बदला है।

नए उत्पादों के साथ सभी खंड तेजी से बढ़ रहे हैं और वितरण तंत्र का विस्तार किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति आगे भी जारी रहेगी और बीमा कंपनियां तकनीकी आधारित विचारों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। जैकब ने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी ने लघु अवधि में कारोबार और आर्थिक वृद्धि को प्रभावित किया। अर्थव्यवस्था की स्थिरता के बाद तेजी फिर से लौटेगी।

सुशील कुमार और उनके समर्थकों के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली-ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार और उनके समर्थकों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम पर कल विरोधी पहलवान प्रवीण राणा के समर्थकों से झगड़े के मामले में एफआईआर दर्ज की है। सुशील और उसके समर्थकों के खिलाफ आईपीसी की धारा 341 (गलत तरीके से रोकना) और 323 (जान बूझकर चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है धारा 323 के तहत एक साल की कैद या 1000 रूपये जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। दोनों पहलवानों के समर्थक आपस में भिड़ गए थे जब अगले साल अप्रैल में गोल्ड कोस्ट में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के चयन ट्रायल में सुशील ने राणा को हराया।

सीनियर पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कैमरों में भी यह झगड़ा कैद हो गया है जिससे पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त (मध्य दिल्ली) मंदीप सिंह रंधावा ने इसकी पुष्टि की कि एफआईआर दर्ज की गई है लेकिन झगड़े के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस को राणा या उनके समर्थकों के खिलाफ सुशील या उनके खेमे से किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। चयन ट्रायल में तीन साल बाद राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप स्वर्ण जीतकर अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में वापसी करने वाले सुशील ने अपने सारे मुकाबले जीते। मामला तब बिगड़ गया जब सेमीफाइनल में सुशील से हारने के बाद राणा ने दावा किया कि सुशील के समर्थकों ने रिंग में उसके खिलाफ उतरने के लिये उसे और उसके बड़े भाई को मारा।

दूसरी ओर सुशील ने दावा किया कि मुकाबले के दौरान राणा ने उसे मारा। उसने कहा,'' उसने मुझे पीटा लेकिन कोई बात नहीं । यह मुझे अच्छा खेलने से रोकने की उसकी रणनीति होगी। यह खेल का हिस्सा है। जो कुछ हुआ था, वह गलत था। मैं इसकी निंदा करता हूं। मुकाबला खत्म होने के बाद एक दूसरे के लिये सम्मान था।'' राणा उन तीन पहलवानों में थे जिन्होंने पिछले महीने इंदौर में हुई राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में सम्मानस्वरूप सुशील को वाकओवर दिया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक-रवि कुमार पोत्दार, 72/74, सुयश विहार, भमोरी दुबे, इन्दौर से प्रकाशित एवं आर्टटेक ग्राफिस, 864/9, नेहरू नगर, इन्दौर म०प्र० से मुद्रीत
प्रधान संपादक-रवि कुमार पोत्दार आर.एन.आई. नम्बर-12782/2003 e-mail- censortimes@ hotmail.com Mob No-9926631707